PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Nai Dunia, New Delhi
Sunday 15th February 2015, Page: 7
Width: 24.93 cms, Height: 9.44 cms, a4r, Ref: pmin.2015-02-15.30.81

रोजगार

रेशम का धागा तैयार करने वाला मध्यप्रदेश का दसवां जिला बना बुरहानपुर, महिलाएं ही करेंगी प्लांट में काम

ढाई करोड़ के प्लांट से तैयार होगा रेशम का धागा

युवराज गुप्ता >> बुरहानपुर (मप्र)

पावरलूम के बाद बुरहानपुर जिला अब सिल्क के क्षेत्र में भी कीर्तिमान रचने जा रहा है। वर्ष 2011 में 4 एकड़ से शुरू हुई रेशम की खेती (ककून उत्पादन) अब एक हजार एकड़ तक जा पहुंची है। करीब ढाई करोड़ रुपए की लागत से रेशम का धागा बनाने का प्लांट भी तैयार हो चुका है। मई से उत्पादन शुरू हो जाएगा, जिसका निर्यात भी होगा। खास बात यह है कि धागा बनाने का काम केवल महिलाएं करेंगी। रेशम का धागा तैयार करने वाला बुरहानपुर प्रदेश का दसवां जिला हो जाएगा। प्लांट में रेशम के ककून (कीड़े द्वारा तैयार लार का अंडा) से मशीनों की मदद से धागा तैयार किया जाएगा। धागा होशंगाबाद व विभागीय मुख्यालय, मुंबई होकर देश के अन्य शहरों में उपयोग किया जाएगा। निर्यात भी होगा। प्लांट का ट्रायल हो चुका है। अभी यहां के ककून से होशंगाबाद में धागा तैयार हो रहा है। मप्र सिल्क फेडरेशन के महाप्रबंधक राकेशकुमार श्रीवास्तव के अनुसार प्रदेश में 39 जिलों में ककून का उत्पादन होता है। होशंगाबाद, इटारसी, पिपरिया, छिंदवाड़ा, भोपाल, विदिशा, बैतूल, हरदा व सीहोर में रेशम का धागा भी तैयार हो रहा है। पिछले दो साल में होशंगाबाद और बुरहानपुर में रेशम उत्पादन सबसे तेजी से बढ़ा है।

- सबसे पहले ककून की छंटाई की जाती है।
- ज्यादा रेशे वाले ककून को बॉयलर में भाप दी जाती है।
- फिर रेशों को मशीनों की मदद से खींच कर अलग किया जाता है।
- 8-10 रेशों को मिलाकर एक धागा तैयार कर उसे रील पर लपेटा जाता है। मजबूती परखने के लिए धागे की लच्छियां तैयार कर उसे तान कर देखा जाता है। यह पूरा काम मशीनें ही करती हैं।
- अंत में बेस्ट धागा पैक कर बिक्री के लिए भेजा जाता है।

महिलाएं ही क्यों?

विभागीय योजना के तहत महिलाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से प्लांट में सिर्फ महिलाएं ही काम करेंगी। इसके लिए 20 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मई में प्रशिक्षण पूरा होते ही धागा बनाने का काम शुरू हो जाएगा। महिलाओं को 300 रुपए प्रति किलो मेहनताना मिलेगा।